Roll No..... (Printed Pages 7)

SI-002049

(4011) M.A. HINDI (First Semester)
New Course (Regular/PVT)
Examination, Dec.- 2025

Compulsory/Optional

(03) ADHUNIK GADHYA SAHITYA

(NATAK NIBANDH)

Time : Three Hours] ***[Maximum Marks : 80***

नोट : दोनों **खण्डों** से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। **प्रश्नों के** अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिएः- 1×10=10

(i) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के लेखक का नाम बताइए।

(ii) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के लेखक का नाम बताइए।

(Turn Over)

(iii) 'साहित्य की महत्ता' निबन्ध के लेखक का नाम बताइए।

(iv) 'क्रोध' निबन्ध के लेखक का नाम लिखिए।

(v) 'चन्द्रगुप्त' नाटक की नायिका कौन हैं?

(vi) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नायिका कौन है?

(vii) 'अशोक के फूल' निबन्ध के लेखक का नाम लिखिए।

(viii) नाटककार लक्ष्मीनारायण लाल के दो प्रसिद्ध नाटकों के नाम लिखिए।

(ix) नाटककार जगदीश चन्द्र माथुर के दो प्रसिद्ध नाटकों के नाम लिखिए।

(x) निबन्धकार डॉ. नगेन्द्र के दो निबन्धों के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिएः 2×5=10

(i) नाटक के प्रमुख तत्व लिखिए।

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

Join our WhatsApp Channel for FREE Question Papers, Syllabus & Exam Updates
More papers: cguniversities.com | Tap here to join
JOIN NOW >

(ii) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के पुरुष और स्त्री पात्रों के नाम लिखिए।

(iii) चन्द्रगुप्त नाटक में कितने अंक हैं?

(iv) डॉ. रामकुमार वर्मा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(v) धर्मवीर भारती जी की रचना शैली पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ब

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 7×3=21

(क) "नहीं चन्द्रगुप्त, मुझे इस देश से जन्म भूमि के समान स्नेह होता जा रहा है। यहाँ के श्यामल कुंज, घने जंगल, सरिताओं की माला पहने हुए शैल श्रेणी, हरी-भरी वर्षा, गर्मी की चाँदनी, शीतकाल की धूप और भोले कृषक तथा सरला कृषक-मालिकायें, बाल्यकाल की सुनी हुई कहानियों की जीवित प्रतिमायें हैं? यह स्वप्नों का देश यह त्याग और ज्ञान का पालना-यह प्रेम की रंगभूमि, क्या भुलायी जा सकती है? कदापि नहीं-अन्य देश मनुष्यों की जन्म भूमि है, यह भारत मानवता की जन्म भूमि है।"

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

अथवा

"ब्राह्मण न किसी राज्य में रहता है और न किसी के अन्न से पलता है। वह स्वराज्य में विचरता है, और अमर होकर जीता है। यह तुम्हारा मिथ्या गर्व है। ब्राह्मण-बस-कुछ सामर्थ्य रखने पर भी, स्वेच्छा से इस माया स्तूपों को ठुकरा देता है। प्रकृति के कल्याण के लिए अपने ज्ञान का दान देता है।"

(ख) "मैं जानती हूँ माँ कि अपवाद होता है। मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिये वह संबंध और संबंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से ही प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है।"

अथवा

"किसी संबंध से बचने के लिए अभाव जितना बड़ा कारण होता है, अभाव की पूर्ति उससे बड़ा कारण बन जाती है।"

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

Join our WhatsApp Channel for FREE Question Papers, Syllabus & Exam Updates
More papers: cguniversities.com | Tap here to join
JOIN NOW >

(ग) "दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया। मुझे मानव जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्षों का रूप साफ दिखाई दे रहा है। मनुष्य की जीवनी शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है।"

अथवा

"सामाजिक जीवन के लिये क्रोध की बड़ी आवश्यकता है। यदि क्रोध न हो तो जीव बहुत से दुःखों की चिर-निवृत्ति के लिए यत्न ही न करें।"

4. (क) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के आधार पर चन्द्रगुप्त का चरित्रांकन कीजिए। 8

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

अथवा

'चन्द्रगुप्त' के नाट्य-शिल्प की केन्द्रीय विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए। 8

अथवा

'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'अशोक के फूल' निबन्ध का सारांश लिखिए। 8

अथवा

'वैष्णव की फिसलन' निबन्ध का सारांश लिखिए।

अथवा

'साहित्य की महत्ता' निबन्ध का सारांश लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए- 5×3=15

(i) प्रताप नारायण मिश्र का साहित्यिक परिचय।

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

Join our WhatsApp Channel for FREE Question Papers, Syllabus & Exam Updates
More papers: cguniversities.com | Tap here to join
JOIN NOW >

(ii) डॉ. राम विलास शर्मा की निबन्ध कला।

(iii) भारतेन्दु के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना।

(iv) लक्ष्मी नारायण लाल की नाट्य कला।

(v) बाबू श्याम सुंदर दास की निबन्ध कला।

(vi) जगदीश चन्द्र माथुर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

---

cguniversities.com | Join WhatsApp Channel

Join our WhatsApp Channel for FREE Question Papers, Syllabus & Exam Updates
More papers: cguniversities.com | Tap here to join
JOIN NOW >